ओलंपिक में काफी दबाव होता है। यह प्रेशर कुकर की तरह है। मैं मैच परिदृश्य की कल्पना करके ही खेलता हूं। इससे दबाव में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाता हूं। बाहरी आवाजें सुने बिना अपने खेल पर फोकस रखो। -श्रीजेश

भारत के दिग्गज हॉकी प्लेयर, अपने खेल पर फोकस करने पर बताया।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अभिषेक शर्मा

भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने रविवार को जिम्बाब्वे के साथ दूसरे टी-20 मुकाबले लगातार तीन छक्के लगाते हुए अपना शतक पूरा करने दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गये है। इसके साथ ही उन्होंने रिकॉर्ड की झड़ी लगा दी हैं। आज खेले गये इस मुकाबले में अभिषेक शर्मा लगातार तीन छक्के लगाते हुए अपना शतक पूरा करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गये है। इससे पहले वर्ष 2023 में शुभमन गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय मुकाबले में अपना दोहरा शतक लगातार तीन छक्के लगाकर पूरा किया था।

क्या आप जानते हैं ?... जिम्बाब्वे के तातेन्द्रा तेबु ने मई 2004 में श्रीलंका के विरुद्ध अपनी टीम की कप्तानी करके सबसे कम उम्र का टैस्ट कप्तान बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

स्विट्जरलैंड को हराकर इंग्लैंड यूरोकप के सेमीफाइनल में

डसेलडोफर, 8 जुलाई। इंग्लैंड ने पेनल्टी शूट आउट में स्विटजरलैंड को हरा कर यूरो कप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। जर्मनी के डसेलडोर्फ में इंग्लैंड और स्विटरजलैंड के बीच खेले गये तीसरे क्वार्टर फाइनल निर्धारित समय तक 1-1 से ड्रॉ के बाद विजेता टीम का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। इंग्लैंड ने पेनल्टी शूटआउट में स्विटजरलैंड को 5-3 से हरा कर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। पहले हाफ तक दोनों टीमों से कोई गोल नहीं हुआ।

वहीं आखिरी 15 मिनट में दोनों टीमों ने 1-1 गोल किए। स्विटजरलैंड के ब्रील एम्बोलो ने 75वें मिनट में गोल कर टीम को 1-0 से बढ़त दिलाई, उनके पांच मिनट बाद ही इंग्लैंड के बुकायो साका ने गोल कर स्कोर को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। खेल खत्म होने तक कोई भी जीत हासिल नहीं कर सकी और मैच ड्रा होने के बाद पेनल्टी शूटआउट खेला गया। अतिरिक्त समय में भी दोनों टीमों की ओर से गोल नहीं कर सकी। जिसके बाद मैच का फैसला पेनल्टी शूटआउट में हुआ। इंग्लैंड की ओर से कोल पामर, जूड बेलिंगहैम, साका, इवान टोनी और वैकल्पिक के तौर पर आए ट्रेंट अलेक्जेंडर ने गोल कर टीम को 5-3 से जीत दिला दी।

अविनाश साबले ने अपना राष्ट्रीय स्टीपलचेस रिकॉर्ड तोड़ा, जेना आठवें स्थान पर रहे

पेरिस डायमंड लीग

पेरिस, 8 जुलाई। अविनाश साबले ने रविवार को पेरिस में डायमंड लीग प्रतियोगिता में आठ मिनट 9.91 सेकेंड का समय निकालकर छठे स्थान पर रहकर 3000 मीटर स्टीपलचेस में अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़कर दिखाया कि वह पेरिस ओलंपिक से पहले से पहली सही समय पर लय में आ रहे हैं। 29 वर्षीय साबले ने 8:11.20 सेकेंड का अपना पिछला राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया जो उन्होंने 2022 में बनाया था। इस तरह उन्होंने डेढ़ सेकेंड से बेहतर समय निकाला।

इथियोपिया के अब्राहम सिमे 8:02.36 के समय से कीनिया के अमोस सेरेम ((8:02.36) से 'फोटो फिनिश' में पहले स्थान रहे। कीनिया के अब्राहम किबिवोट 8:06.70 के समय से तीसरे स्थान पर रहे। साबले ने दो साल पहले बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था और वह इसे तोड़ने में सफल रहे। यह उनका 10वां राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने वाला प्रदर्शन रहा। वहीं पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में ओलंपिक दल के सदस्य किशोर जेना का संघर्ष जारी रहा और वह 78.10 मीटर के प्रयास से आठवें स्थान पर रहे।

उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 87.54 मीटर है और सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 80.84 मीटर है। पिछले साल एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाले जेना का इस सत्र में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने दोहा डायमंड लीग में 76.31 मीटर और फेडरेशन कप में 75.49 मीटर का थ्रो लगाया था। मौजूदा ओलंपिक और विश्व चैम्पियन भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा में जांघ की समस्या के कारण इस प्रतियोगिता में नहीं खेलने का फैसला किया था।

पुरुषों में अल्काराज और महिला वर्ग में जैस्मीन पहुंची क्वार्टरफाइनल में

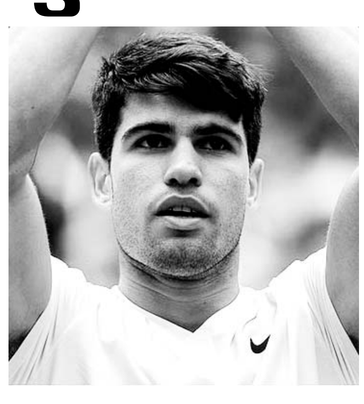

लंदन, 8 जुलाई। गत विंबलडन चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने विंबलडन में उगो हम्बर्ट को हरा कर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली वहीं महिला वर्ग में फ्रेंच ओपन उप विजेता इटली की जैस्मीन पाओलिनी भी अपने पहले विंबलडन क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई है। अल्काराज ने हम्बर्ट को 6-3, 6-4, 1-6, 7-5 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

क्वार्टर फाइनल में अल्काराज का सामना टॉमी पॉल और रोबर्टो बतिस्ता ऑगुट के बीच होने वाले मुकाबला होने पर आगे का रास्ता तय करेगा। वही महिलाओं के वर्ग में फ्रेंच ओपन उप विजेता जैस्मीन पाओलिनी अपने पहले विंबलडन क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई है।चौथे दौर के तीसरे सेट में मेडिसन कीज पैर की चोट के कारण रिटायर हो गईं, तब स्कोर 5-5 था। इटली की खिलाड़ी जैस्मीन ने पहला सेट 6-3 से जीता था जबकि मेडिसन कीज ने दूसरा सेट 7-6 से अपने नाम किया था। ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन यानिक सिनर ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, लेकिन महिला वर्ग में कोको गॉफ को बाहर का रास्ता देखना पड़ा। सिनर ने 14वीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन के खिलाफ 6-2, 6-4, 7-6 (9) से जीत दर्ज की। उनका अगला मुकाबला दानिल मेदवेदेव से होगा। एक अन्य क्वार्टर फाइनल मैच कार्लोस अल्काराज और टॉमी पॉल के बीच खेला जाएगा। महिला वर्ग में मेडिसन कीज के तीसरे सेट में 5-5 के स्कोर पर हट जाने के कारण जैस्मीन पाओलिनी ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पाओलिनी का अगला मुकाबला एम्मा नवारो से होगा, जिन्होंने मौजूदा अमेरिकी ओपन चैंपियन गॉफ को 6-4, 6-3 से हराया।

जेसविन, अंकिता को भारतीय एथलेटिक्स टीम में मिली जगह

नयी दिल्ली, 8 जुलाई। जेसविन एल्ड्रिन (पुरुषों की लंबी कूद) और महिला वर्ग में अंकिता ध्यानी (पांच हजार मीटर दौड़) में विश्व रैंकिंग में जगह बनाने के बाद भारत की पेरिस ओलंपिक की एथलेटिक्स टीम में शामिल किया गया है। दोनों एथलीटों के टीम में शामिल होने के साथ ही पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय एथलेटिक्स टीमें सदस्यों की संख्या अब 30 हो गई हैं। विश्व एथलेटिक्स ने आधिकारिक तौर पर जेसविन एल्ड्रिन और अंकितना ध्यान के भारतीय टीम में शामिल होने की पुष्टि की है। लंबी कूद के राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक एल्ड्रिन पुरुषों की लंबी कूद में 31वें स्थान पर हैं। उन्हें शीर्ष 32 एथलीटों में शामिल होने के कारण पेरिस में जगह बनाई है। वहीं अंकिता महिलाओं की पांच हजार मीटर में 42वें स्थान पर हैं, जो कि उस स्पर्धा में कटऑफ रैंक है। अंकिता आगामी ठीष्मकालीन खेलों में इसी स्पर्धा में 29वें स्थान पर रहीं और हमवतन पारुल चौधरी पांच हजार मीटर की राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक के साथ जुड़ेंगी। अंकिता ध्यानी का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 15:28.08 है जो उन्होंने इस साल की शुरुआत में कैलिफोर्निया में ट्रैक फेस्ट में हासिल किया था। उन्होंने पिछले महीने इंटर-स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 16:10.31 के समय के साथ स्वर्ण पदक भी जीता।

रोजारियो, मूसा पुरुष फुटबॉल टीम के मुख्य कोच के लिए आवेदन करने वालों में शामिल

नयी दिल्ली, 8 जुलाई। मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के पूर्व कोच स्टेनली रोजारियो और नॉर्थईस्ट यूनाईटेड के मौजूदा सहायक कोच नौशाद मूसा उन भारतीयों में शामिल हैं जिन्होंने राष्ट्रीय पुरुष टीम के मुख्य कोच के पद के लिए आवेदन किया है। यह पद इगोर स्टिमक को बर्खास्त किए जाने के बाद से खाली पड़ा है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को दुनिया भर से कुल मिलाकर 291 आवेदन मिले हैं। इनमें से 100 आवेदनकर्ता यूएफा प्रो लाइसेंस डिप्लोमा धारक हैं जबकि 20 के पास एएफसी प्रो लाइसेंस डिप्लोमा है। तीन के पास कोनमेबोल (दक्षिण अमेरिका फुटबॉल परिसंघ) लाइसेंस है। रोजारियो और मूसा एएफसी प्रो लाइसेंस डिप्लोमा धारक हैं।

मोहन बागान सुपर जाइंट्स को 2023-24 आईएसएल लीग शील्ड जिताने में मदद करने वाले एंटोनियो लोपेज हबास ने भी आवेदन किया है। एआईएफएफ अधिकारी ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर पीटीआई को बताया, ''स्टेनली रोजारियो और नौशाद मूसा उन भारतीयों में शामिल हैं जिन्होंने आवेदन किया है और एएफसी प्रो लाइसेंस धारक हैं। एंटोनियो हबास ने भी आवेदन किया है।'' पता चला है कि छांटे गए उम्मीदवारों के नाम 20 जुलाई को एआईएफएफ कार्यकारी समिति की बैठक में रखे जाएंगे। इससे पहले एआईएफएफ उपाध्यक्ष एनए हैरिस की अगुआई वाली समिति आवेदनों की समीक्षा करेगी।

समिति में तकनीकी, लीग, प्रतियोगिता, वित्त और विकास समिति के अध्यक्ष और कोषाध्यक्ष भी शामिल होगा। एआईएफएफ ने कहा है कि इस महीने के आखिर तक पुरुष टीम के नए कोच का नाम पता चल जाएगा। एआईएफएफ की कार्यकारी समिति की 20 जुलाई को होने वाली बैठक में इस बात पर भी चर्चा होगी कि 2019 में भारतीय फुटबॉल के लिए तय किए गए खाके को पूरी तरह से कैसे लागू किया जा सकता है क्योंकि आईलीग क्लब संघ ने महासंघ को एक पत्र भेजकर कुछ प्रमुख मुद्दों पर चिंता जताई है। एआईएफएफ प्रमुख और कार्यकारी समिति के सदस्यों को लिखे पत्र में आईलीग क्लब संघ के अध्यक्ष रंजीत बजाज ने एआईएफएफ द्वारा भारतीय फुटबॉल खाके को लागू नहीं करने की स्थिति में कानूनी कार्रवाई करने की धमकी दी थी।

क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने ग्लोबल चेस लीग में टीम खरीदी

नयी दिल्ली, 8 जुलाई। भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन अमेरिकन गैम्बिट्स टीम के सह मालिक बन गए हैं जो ग्लोबल चेस लीग (जीसीएल) के दूसरे सत्र में हिस्सा लेने वाली नई टीम है। जीसीएल टेक महिंद्रा और अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ के

संयुक्त स्वामित्व वाली लीग है। लंदन में तीन से 12 अक्टूबर तक होने दूसरे सत्र के लिए लीग ने सोमवार को छह फ्रेंचाइजी को पेश किया। जाने माने व्यवसायी प्रचुर पीपी, वेंकट के नारायण और अश्विन के स्वामित्व वाली अमेरिकन गैम्बिट्स टूर्नामेंट में चिंगारी गल्फ टाइटंस की जगह लेगी। एक प्रेस विज्ञिप्त में अश्विन के हवाले से कहा गया, ''हम अमेरिका गैम्बिट्स को शतरंज जगत के सामने पेश करके रोमांचित हैं। रणनीतिक प्रतिभा और अटूट दृढ़ संकल्प के मिश्रण के साथ हमारी टीम खेल को फिर से परिभाषित करने का लक्ष्य रखती है। सह मालिक के रूप में मैं उनकी यात्रा का गवाह बनने और उनकी सफलता में योगदान देने के लिए उत्साहित हूं।'' लीग के दूसरे सत्र में हिस्सा लेने वाली पांच अन्य फ्रेंचाइजी अल्पाइन एसजी पाइपर्स, पीबीजी अलास्कन नाइट्स, गैंगेस ठौंडमास्टर्स, गत चैंपियन त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स और मुंबा मास्टर्स हैं।

भारतीय गोल्फ की पहचान बनी अदिति अशोक ने पेरिस ओलंपिक के लिये किया क्वालीफाई

नयी दिल्ली, 8 जुलाई। लंबे समय से भारतीय गोल्फ की पहचान बनीं गोल्फर अदिति अशोक ने फ्रांस की राजधानी पेरिस में होने वाले ओलंपिक गेम्स के लिए क्वालीफाई करने में सफलता हासिल की है। उनका सफर आसान नहीं रहा है, अदिति अशोक 2016 में पेशेवर खिलाड़ी बनने के बाद से भारत में महिलाओं के गोल्फ के लिए एक ट्रेलब्लेज़र रही हैं। उन्होंने एशियन गेम्स 2023 में रजत पदक जीतने के साथ लेडीज यूरोपियन टूर खिताब जीते और लेडीज प्रोफेशनल गोल्फ टूर में नियमित रूप से भाग लिया। बेंगलुरु में एक मध्यमवर्गीय घराने में जन्मी अदिति अशोक पांच साल की उम्र में पहली बार गोल्फ की ओर आकर्षित हुई थीं, जब उनका ध्यान कर्नाटक गोल्फ एसोसिएशन में हरे-भरे कोर्स पर गया था।

29 मार्च 1998 को जन्मी अदिति अशोक भारत के लिए उल्लेखनीय जीत हासिल करने के बाद खेलों में एक प्रमुख हस्ती बन गईं। बेंगलुरु के प्रसिद्ध फ्रैंक एंथोनी पब्लिक स्कूल में अपनी पढ़ाई और खेल के प्रति अपने जुनून को देखते हुए, भारतीय गोल्फर ने कोर्स में नियमित रूप से अभ्यास करना शुरू कर दिया और स्थानीय टूर्नामेंट में खेलने लगीं। अदिति अशोक ने अपनी पहली राज्य स्तरीय ट्राफियां, कर्नाटक जूनियर और दक्षिण भारतीय जूनियर चैंपियनशिप 2011 में 13 साल की उम्र में जीती थी।

उन्होंने उस साल राष्ट्रीय अमेच्योर खिताब भी जीता था। अदिति जल्द ही अगले तीन साल - 2012, 2013 और 2014 - में नेशनल जूनियर चैंपियनशिप जीतकर और 2014 में जूनियर और सीनियर दोनों खिताब जीतकर एक युवा खिलाड़ी के रूप में प्रसिद्धी हासिल की। टोक्यो 2020 में अदिति के सराहनीय प्रदर्शन के बाद उनका कद और बढ़ गया है। वो कासुमीगासेकी कंट्री क्लब में गोल्फ टूर्नामेंट के अंतिम दौर तक पदक की दौड़ में थीं। हालांकि, दो साल बाद, अदिति अशोक ने हांगझोऊ में 2023 एशियाई खेलों में रजत पदक जीतकर एक अहम मल्टी-स्पोर्ट इवेंट में पोडियम पर अपनी जगह बनाई।

फाइनल में पहुंचने के लिए स्पेन को भेदना होगा फ्रांस का रक्षा कवच

म्यूनिख, 8 जुलाई। यूरो कप 2024 टूर्नामेंट में बेहतरीन फॉर्म में चल रही स्पेन की फुटबॉल टीम को मंगलवार को होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले में अपना विजय क्रम जारी रखते हुए फाइनल में पहुंचने के लिए फ्रांस की मजबूत रक्षापंक्ति को भेदना होगा। टूर्नामेंट में अब तक स्पेन की सबसे बेहतरीन प्रदर्शन रहा है, उसने अपने सभी पांच मुकाबले जीते हैं और 11 गोल दागकर वहीं शीर्ष पर बनी हुई है जोकि उनके कौशल को दर्शाता है। स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते अपनी टीम के प्रदर्शन को लेकर आत्मविश्वास से भरे हुए हैं। दूसरी ओर फ्रांस को अपनी मजबूत रक्षापंक्ति पर भरोसा है, जो पूरे टूर्नामेंट में लगभग अभेद्य रही है। हालांकि उसका अभी तक आक्रामक प्रदर्शन सामने नहीं आया है।

केवल उनकी रक्षापंक्ति उन्हें प्रतिस्पर्धा में बनाए रखा है। फ्रांस ने अभी तक केवल एक ही गोल खाया है। फ्रांस के कोच डिडिएर डेसचैम्प्स का भी मानना है कि सेमीफाइनल में बेहतर आक्रामक खेल की आवश्यकता होगी। यह सेमीफाइनल पिछले चार प्रमुख टूर्नामेंटों में फ्रांस की तीसरी उपस्थिति है, जो उनकी स्थायी गुणवत्ता और जीतने की मानसिकता का प्रमाण है। हालांकि, इस तरह के शानदार फॉर्म में चल रही स्पेनिश टीम का सामना करना उनकी अब तक की सबसे कठिन चुनौती होगी। लेकिन उनकी रक्षापंक्ति निर्णायक साबित हो सकती है।

महज 17 साल की उम्र में हॉकी टीम में शामिल हुए विवेक सागर को मिली ओलंपिक टीम में जगह

नयी दिल्ली, 8 जुलाई। दुनिया भर में अपनी शोहरत क़ायम करने के लिए ज़्यादातर खिलाड़ियों को सालों तक कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। हालांकि, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मिडफ़ील्डर विवेक सागर प्रसाद की कहानी कुछ अलग है और उन्हें काफ़ी जल्दी सफलता हासिल हो गई। विवेक सागर प्रसाद ने जनवरी 2018 में 17 साल, 10 महीने और 22 दिन की उम्र में भारतीय टीम के लिए खेलना शुरू किया। वे अपने देश का प्रतिनिधित्व करने वाले दूसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। तब से लेकर अब तक उन्होंने भारत की ओर से 90 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मुक़ाबले खेले हैं। मिडफ़ील्डर के रूप में खेलते हुए, प्रसाद ने टोक्यो 2020 में भारत के कांस्य पदक जीत में अहम योगदान दिया था।

विवेक सागर प्रसाद का जन्म 25 फ़रवरी 2000 को मध्य प्रदेश के इटारसी शहर के पास शिवनगर चंदन गांव में हुआ था। बचपन में, विवेक सागर प्रसाद को शतरंज, बैडमिंटन और क्रिकेट खेलना पसंद था और हॉकी से उनका परिचय महज़ एक इत्तेफ़ाक़ था। पहली बार हॉकी से उनका परिचय साल 2010-11 में हुआ। दरअसल, विवेक जिस स्कूल में पढ़ते थे, उस स्कूल में हॉकी कोच ने उन छात्रों को इस खेल का प्रशिक्षण देने की पेशकश की, जो इस खेल को खेलना चाहते हैं। हॉकी का जादू जल्द ही युवा विवेक हावी हो गया। वे अपने खाली समय में भी, अपने घर के पास की एक छोटी सी जगह में अभ्यास किया करते थे और कुछ ही महीनों में ये खिलाड़ी स्कूल के स्तर से आगे खेलने लगा।

प्रसाद ने 2018 में युवा ओलंपिक खेलों में भारतीय जूनियर टीम का नेतृत्व किया था। उन्होंने न केवल मिडफ़ील्ड में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, बल्कि वह टूर्नामेंट में भारत के लिए संयुक्त रूप से सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी भी थे। उन्हें साल 2019 में मेंस सीरीज़ फ़ाइनल में टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी चुना गया। प्रसाद ने उसी साल मेंस राइज़िंग स्टार ऑफ़ द ईयर का ख़िताब भी हासिल किया। विवेक ने टोक्यो 2020 ओलंपिक में भारत के लिए सभी आठ मुक़ाबले खेले। उन्होंने अर्जेंटीना के ख़िलाफ़ मैच के अंतिम मिनटों में एक महत्वपूर्ण गोल कर भारत को 2-1 से आगे कर दिया। भारत ने 3-1 से जीत दर्ज करते हुए नॉकआउट के लिए क्वालीफ़ाई किया।

भारत के खिलाफ श्रृंखला से पूर्व जयसूर्या श्रीलंका के अंतरिम कोच नियुक्त

कोलंबो, 8 जुलाई। श्रीलंका के पूर्व कप्तान सनथ जयसूर्या को इस महीने के अंत में भारत के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की घरेलू श्रृंखला से पहले टीम का अंतरिम मुख्य कोच नामित किया गया है। भारतीय टीम 27 जुलाई से शुरू होने वाले तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और इतने ही वनडे मैचों के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी। आक्रामक बल्लेबाजी के साथ स्पिन गेंदबाजी करने वाले 55 साल के वामहस्त खिलाड़ी जयसूर्या इंग्लैंड के क्रिस सिल्वरवुड की जगह लेंगे। सिल्वरवुड ने टी20 विश्व कप में टीम टीम के खराब प्रदर्शन के बाद इस्तीफा दे दिया था। वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेले गये इस विश्व कप में टीम लीग चरण से आगे नहीं बढ़ पायी थी। 'डेली मिरर' अखबार की रिपोर्ट के अनुसार जयसूर्या श्रीलंका के इंग्लैंड टेस्ट दौरे की भी जिम्मेदारी संभालेंगे। जयसूर्या इससे पहले टीम के मुख्य चयनकर्ता भी रह चुके हैं। अपने समय के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में से एक जयसूर्या टी20 विश्व कप के दौरान टीम के सलाहकार थे। जयसूर्या ने 1991 से 2007 के बीच श्रीलंका के लिए 110 टेस्ट में 6973 रन बनाये। इस दौरान उनका औसत 40.07 का रहा है और उन्होंने 14 शतक और 31 अर्धशतक जड़े। उन्होंने 445 एकदिवसीय में 28 शतक और 68 अर्धशतक की मदद से 13,430 रन बनाये हैं। जयसूर्या ने टेस्ट में 98 जबकि एकदिवसीय में 323 विकेट भी चटकाए हैं।

पेरिस ओलंपिक उद्घाटन समारोह में पीवी सिंधु और शरत कमल होंगे ध्वजवाहक

नयी दिल्ली, 8 जुलाई। पेरिस ओलंपिक 2024 उद्घाटन समारोह में बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु और टेबल टेनिस खिलाड़ी ए शरत कमल तिरंगा लेकर भारतीय दल का नेतृत्व करेंगे। 26 जुलाई से शुरु होने वाले पेरिस ओलंपिक में भारतीय ध्वजवाहकों के रुप में पीवी सिंध और शरत कमल के नामों की आज घोषणा की गई। वहीं वर्ष 2012 में ओलंपिक खेलों की 10 मीटर एयर रायफल के कांस्य पदक विजेता गगन को भारतीय दल के शेफ-डी-मिशन की जिम्मेदारी दी गई है। वह एमसी मैरीकॉम की जगह लेंगे।

खेलों को दिया जायेगा बढ़ावा ताकि युवा नशे से रहे दूर : अनुपम

शिमला, 8 जुलाई। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के उपायुक्त अनुपम कश्यप ने कहा है कि जिला के सभी खेल संघों के साथ समन्वय स्थापित कर खेल गतिविधियों को बढ़ावा दिया जायेगा ताकि युवा पीढ़ी को नशे के चलन से दूर रखा जा सके।

कश्यप ने जिला शिमला के पंजीकृत खेल संघों के साथ सोमवार को यहाँ आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि जिला में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है ताकि जिला के खिलाड़ी खेल जगत में आगे बढ़कर प्रदेश तथा देश का नाम रोशन कर सकें। उन्होंने कहा कि जिला शिमला में अब तक 13 खेल संघों ने अपना पंजीकरण कराया है। उन्होंने सभी संघों को खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन की और से हर संभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया। उपायुक्त ने कहा कि खेल जगत में जिला के उत्कृष्ट खिलाड़ियों की हौसला अफजाई के लिए अभी तक जिला स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित नहीं किया जाता। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को साल में एक बार इस तरह का सम्मान समारोह आयोजित करने के निर्देश दिए। सम्मान समारोह में जिला स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा ताकि अन्य युवाओं में भी खेल के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न हो।

कश्यप ने कहा कि जिला शिमला से संबंध रखने वाले खिलाड़ी जिन्होंने विभिन्न खेलों में राष्ट्रीय स्तर पर मेडल हासिल किए है उन्हें 16 लाख 83 हजार रुपए की राशि वितरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिला में विभिन्न खेलों से संबंध रखने वाले ऐसे 49 खिलाड़ी है। इन खेलों में कब्बड्डी, वॉलीबॉल, नेटबॉल, बॉक्सिंग, कराटे, एथलेटिक, जूडो, हॉकी एवं राइफल शूटिंग आदि खेल शामिल हैं। उपायुक्त ने कहा कि स्कूली छात्रों को खेलो के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से हर खेल का वृत्तिचत्र तैयार किया जायेगा। उन्होंने सभी खेल संघों से आठाह किया कि वह अपने खेल से संबंधित वृत्तिचत्र तैयार करने के उद्देश्य से खेल से संबंधित सारा विवरण प्रदान करे। उन्होंने कहा कि खेल जगत में ऐसे बहुत सारे खेल है जिनके बारे में हमारे छात्रों को जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि स्पोर्ट्स अथॉरिटी इंडिया (एसएआई) शिलारू के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि शिलारू में अच्छे खेल मैदान के साथ सिंथेटिक ट्रैक भी उपलब्ध है। खेल मैदान को किस तरह से स्थानीय तथा जिला के खिलाड़ियों के लिए प्रयोग में लाया जाए, इस संदर्भ में एसएआई शिलारू के अधिकारियों से बैठक आयोजित कर विचार विमर्श किया जाएगा।

कश्यप ने जिला के सभी खेल संघों के साथ एक व्हाट्सएप ठ्रुप तैयार करने के निर्देश दिए ताकि आपसी समन्वय स्थापित हो सके। उन्होंने कहा कि ठ्रुप के माध्यम से खेल जगत से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का पता चल सकेगा। उन्होंने सभी संघों द्वारा आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिताओं में एक दूसरे को आमंत्रित करने का भी आग्रह किया।